भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

केंद्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

5 अगस्त 2022

गुलामी और दलाली भारतीय शासक वर्ग का 75 साल का अगस्त 15 का ''आजादी का अमृत महोत्सव'' का बहिष्कार करे!

देश के जनता को आजदी का अमृत महोत्सव, जो 15 अगस्त को मनाए जा रहा है उसका बहिश्कार करने का भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्र कमेटी आहवन देती है। इस को काला दिवास का रूप में पालन करना चाहिए। यह 75 साल भारत सरकार का गुलामना और दलाल स्वभाव स्थापित करता हैं। एक तरफ केंद्रीय और राज्य सरकारे जो दलाली नौकारशाहि पुंजीपत्ती, जमीनदार को प्रतिनिधित्व करते हुए 75 साल से देश के संपत्ती कों साम्राज्यवाद कें हातो में बेजता आ रहा हैं, और इसके सात 75वी आजदी बढ़े पैमाने में मनाया जा रहा हैं। जिस दिन से अग्रेंजी साम्राज्यवाद देश से निकले और सामंतवाद और दलाली नौकरषाह पूंजिपत्ती वर्गों को हातो में सत्ता सोंपा, उस दिन से नई उपनिवेशक सोशाण दश कें उपर जारी रखा हैं। जब से बड़े जमीनदारों और दलाली नौकारषाहि पूंजित्तीयों कें हात सत्ता आया, उस दिन से भारत अर्ध उपनिवेशक और अर्ध सांमतवादी देश में तबदील हो गया। हमारे देश कें प्राकृतिक संसाधन खूले आम लूठ रहा हैं, और देश कें जनता कों दरिद्रता में धकेल रहा हैं।

क्रांतिकारी नेता जैसे भगतसिंग, सुखदेव, राजगुरू, आदिवासी संघर्ष के नेता जैसे बिर्सा मुण्डा, गूण्डादूर, गेंदसिंग, कोमुरम भीम, अल्लूरि सीतारामराजु और कई वीर लोग जो अंग्रेजी साम्राज्यवाद के खिलाफ वीर गति प्रप्त हो गया और अमर हो गया। बडे जमींदार वर्गों और दलाली पुजिपत्ति वर्गों देश की आजादी के साम गद्दारी किया है। भारत एक अथ उपनिवेशक, अर्थ सामंतवाद देश बन गया है। यह स्पश्ट हैं की आज भी 77, प्रतिशत जनता गरिबि रेखा के निचे रोज मात्र 20 रूपया से अपनी जिंदगी गुजारा कर रहा हैं, और केंद्रिय सरकार अटूट गर्व से यह दावा करती हैं की, भारत एक तेज रफतार से बढ़ी आर्थिक सक्ति में तबदिल हो रहा हैं। शासक वर्ग एक पुराने युग कें शोषण विचारधारा जो ब्राम्हणीय हिन्दृत्वा फासीवाद हैं, उसके आदर पर उत्पीड़ित वर्ग भीभिन राष्ट्रीयताओं पर अपना प्रभृत्व स्थपित करने में सफल रहा हैं। यह कोई फरक नही पडता हैं की सत्ता में कोन सी राजनीतिक पार्टी हो। इड़ियान नेषनल कांग्रेस अंग्रेजि साम्राज्यवाद का दलाल रहा हैं और जनता विरोधी अनेक कार्य में शामिल रहा हैं। मौजुदा ब्राम्हणीया हिन्दुत्वा भाजपा केंद्र सरकार मोदी अमित शा के नेतृत्व में सीएए, एनआसी, एनआरपी जैसे कानून लाई, जिस कें कारण बहुत से देश कें नागरिकों देश की नागरिकता से वंचित करता है। फासीवादी पार्टी उग्र रूप से हिन्दृत्वा एजेण्ड़ा कों आगे बढा रहा हैं।

शासक वर्ग प्रारंभ में पंच वर्ष प्रणाली कों पेश करते हुए गरिबि हठाना, रोजगार और जमिन देने की दावें कीया था। इसके अलावा बुनियादी सुविधायो जैसे पीने के लिये साफ पानी, पेहने के लिये कपडा और रेहने के लिये मकान देने के भी वादा किया था। विविध सुदारों की प्रक्रिया ली गयी थी कई सरकारे द्वारा। पर वो सारी सुदार की प्रक्रिया साम्राज्यवाद ओर दलाली नौकरषाही पुंजिपत्ति के हित मे साबित हुई दिखती हे, जनता के हित मे नही। 75 साल के बाद भी आदी आबादी को एक समय का ही खाना नसीब हो पाता है। साम्राज्यवादी नई विश्वमारि को रोज जनम दे रहा है। ओर जनता कश्टभरी जीवन से झुझ रही है। जनता असमर्थ है अपनी रोज की जरूरतों को खरीदने मे, क्यूं की, महंगाई आसमान छू चुकी है। ये दलाली शासन के द्वौरान देश के अरबपती मे ड्ढद्धि हई है, ये 90 से 140 तक पहुंच चुकी है। एक आकडे के मुताबिक ये अरबपतीयों की संपत्ति देश की 55 प्रतिशत की जनता के संपत्ति से समान है। उभरती भारतीय जनता पार्टी मादी के नेतृत्व मे देश भर मे मजदूर, किसान, छात्र, उत्पीड़ित वर्ग, तबका जैसे आदिवासी, दलित, धार्मिक अल्पसंख्याक जनता, और महिलाओं से उन का मौलिक अधिकार छीन रहा है। उन के अस्तित्व को विनाश के चरण पे ले जा रहा है। उन के संस्कृति, भाषा, खान पान के तरीके को अपमानित कर रहा है। कई कानून बनाये गये है जो उत्पीडन, शोषण और भेदभाव व्यवस्था को एक शक्ति प्रदान कर्ता है। ब्राम्हणीय हिन्दूत्वा फासीवादी भाजपा अपने आपको दुनिया का सब से बडा लोकतात्रिक श्रक्ति मानता हैं। पर आखिर में उन सारे मानवाधिकार कार्यकर्ता जो उत्पीड़ित जनता कें पंक्ष में और ब्राम्हाणीय हिन्दूत्व फासीवाद खिलाफ अपनी आवाज बुलदं करती है, यातो गिरफतार किया जाता हैं नही तो मार दिया जाता है। खासखार उन नेताओं और कार्यकर्ताओं जो क्रांतिकारी पार्टी, जन संगठन से तालुब रक ते है, उने बढ़े दृढ़ता सें फर्जी मुठभेढ में मार दिया जाता हैं। पिछिले कुछ दसको में तीस हजार क्रांतिकारीयों को मार दिया गया हैं। ऐसे ही तेलंगणा शसस्त्रा किसान आंदोलन मे भारत सरकार ने हजारो क्रांतिकारीयों

को अपने बंदुक का निशाना बनाया। पिछले एक साल मे ही 130 से ज्यादा क्रांतिकारी कार्यकर्ता अमर हुये हैं। महिला कार्यकर्ता और गॉव के जनता कें उपर बढ़ी क्रूरता से योन शोषण जैसे अत्याचार का कार्यक्रम चला रहा हैं। 80 हजार मिलिटेंट्स जो राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन जो कश्मीर में कई दसकों से चली आ रही हैं, उने जान से मार दिया गया हैं और हजारों के संख्या में उत्तर पुर्व इलाको में मारे गये हैं। ये हिन्दूत्वा फासीवाद की द्वारा हर लोगों पर, प्रमुख विपक्षीय कांग्रेस पार्टी या क्रांतिकारीयों को कई तरीको से सताया जा रहा हैं । न्याय व्यवस्था पुरे तरह से ब्राम्हणी हिन्दूत्व फासीवाद का वफादार कटपुतलि बन चुकी हैं, जो जनता के पंक्ष में याचिका पेश करते हैं, बहुत दुख से केहना पड रहा हैं की उन लोगों पर भी मुकदमा दर्ज कर रही। इस के अलावा सामाजिक कार्यकर्ताओं, वकीलों और अभिनेताओं भी शामिल हैं।

लोकतंत्रिक स्थान देश में भाजपा शासन के दौरान धीरे धीरे चूर चूर हो रहा हैं। इसका उपदेशक हिन्दूत्व नेताओं ये बता रहा की हिन्दूत्व हर नागरिक का जीवन का मार्ग हैं। भारत सरकार विस्तार रूप से ये अलोकतांत्रिक असविधंनिक, धर्म निरपेंक्ष विरोधी और जनता विरोधी हैं।

उत्पीडत हमेशा संघर्ष का रूप रेखा हैं। दुनिया के हर कोने मे ज्वाला हर दिन फैल रहे है। देश के जनता उत्पीडन के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे है। मजदूर, किसान, बुद्धिजीवी, छात्र, महिला, दलित, आदिवासी, धर्म अल्पश्रेणी सरकार के रवैये से असंतुष्ट है और उपनी मौलिक अधिकार को बचाने के लिये रोजाना संघर्ष कर रहे है।

देश के जनता को कोई भी लाभ नही होगा 'हर घर तिरंगे' अभियान से जो फासीवादी शासकों द्वारा बहूती जोर से उत्साहित किया जा रहा है। हर घर मे अंधेरा छाया हुआ है, और देश के हर इनसान के आंको मे दर्द का आशु है। भारतीय जनता पार्टी लोगों को गूमराह कर रही है ये बताकर की, देश असली आजादी मे जी रहा है। केंद्र सरकार और आजादी का अमृत महोत्सव से कोइ फरक नही पडता लोगों की रोज की समस्या और उन के कठिन भरी जिंदगी को ले कर। भारत देश अभी भी अर्थ उपनिवेशक, अर्थ सामंती देश है। और सरकार का दलाली, विस्तारवाद बड़ रहा है। यही उचित समय है जब हम सब उत्पीड़ित वर्गों को, उत्पीडित राष्ट्रीयताओं को साम्राज्यवाद के खिलाफ, दलाल नौकरषाही पुजिवाद के खिलाफ, सामंतवाद के खिलाफ और ब्रह्मणीय हिंदूत्वा फासीवाद भाजपा के खिलाफ एक जुठ होकर संघर्ष और लोकतांत्रिक, समाजवाद को स्थापना करने की प्रक्रिया मे आगे बड़ेंगे। केंद्र कमेटी सारे उत्पीडित जनता और राष्ट्रीयता, उत्पीडित तबकाओं नई लोतांत्रिक, और जनता का राज सत्ता को स्थापना कर ने केलिये शपथ लेने के लियो आह्वान देती है।

अभय
प्रवक्ता,
केंद्र कमेटी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)